

राजस्थान के 344 आवासीय वदियालयों में स्थापति हॉगी डजिटिल लाइब्रेरी

चर्चा में क्यों?

26 अक्टूबर, 2022 को डजिटिल लर्नगि के महत्त्व को समझते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के 344 आवासीय वदियालयों में डजिटिल लाइब्रेरी स्थापति करने के लिये 36.56 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

प्रमुख बदि

- मुख्यमंत्री के इस नरिणय से जनजातक्षेत्रीय विकास वभिग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता वभिग, अल्पसंख्यक मामलात, स्कूल शक्ति वभिग आदिके अधीन संचालित वभिनिन आवासीय वदियालयों, बहुदेशीय हॉस्टल व कस्तूरबा गांधी वदियालयों में अत्याधुनिक सुवधि से लैस डजिटिल लाइब्रेरी स्थापति हो सकेंगी।
- गौरतलब है की वित्त एवं वनियोग वधियक, 2022-23 की चर्चा के दौरान की गई घोषणा की अनुपालना में मुख्यमंत्री ने यह स्वीकृति प्रदान की है।
- मुख्यमंत्री ने अल्प आय वर्ग के वदियार्थियों को डजिटिल लर्नगि का लाभ दलाने की दृष्टि से वभिनिन वभिगों के अधीन आवासीय शक्ति संस्थानों एवं चयनित वदियालयों में 9वीं से 12वीं की कक्षाओं के लिये डजिटिल लाइब्रेरी एवं अन्य आवश्यक सुवधियाँ उपलब्ध कराने हेतु वित्तीय प्रावधान की घोषणा की थी।
- इसके अतरिकित मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 500 मदरसों में अब स्मार्ट क्लासरूम करने के लिये 13.10 करोड़ रुपए के अतरिकित बजट की स्वीकृति प्रदान की है।
- उल्लेखनीय है कि राज्ग सरकार ने प्रदेश के मदरसों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की शुरुआत कर दी है। अब मदरसों में बेहतर शक्ति के लिये इनमें स्मार्ट क्लासरूम जैसी वभिनिन सुवधियाँ उपलब्ध कराई जाएंगी, यहाँ वदियार्थी अब ब्लैक बोर्ड की जगह स्मार्ट बोर्ड के ज़रिये तालीम (शक्ति) हासिल करेंगे।
- राजस्थान मदरसा बोर्ड द्वारा पंजीकृत मदरसों में से 500 मदरसों में स्मार्ट क्लासरूम स्थापति किये जाने के लिये प्रतिमदरसा 2.62 लाख रुपए खर्च होंगे।
- गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ने बजट वर्ष 2022-23 में पंजीकृत मदरसों में स्मार्ट क्लासरूम मय इंटरनेट की सुवधि चरणबद्ध रूप से कराए जाने की घोषणा की थी। इसी के तहत प्रथम चरण में आगामी वर्ष में 500 मदरसों को अपग्रेड किया जाएगा।